रेलवे में कोयले की खपत में बचत करने में सफलता

4690. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयले की खपत में 10 करोड़ रुपये के बचत के लक्ष्य में अभी तक कहां तक सफलता प्राप्त हुई है और क्या लक्ष्य प्राप्ति की सम्भावना है ; और

(ख) कोयले की चोरी रोकने में अभी तक कहां तक सफलता मिली है ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) कोयले के बचत अभियान के अब तक के परिणाम उत्साह-वर्द्धक रहे हैं। लेकिन, अभी से सम्भावित बचत का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।

(ख) कोयले की चोरी की रोक थाम के सम्बन्ध में अब तक जो प्रगति हुई है वह संतोषजनक है।

वस्तुओं का मानकीकरण

4691. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** : क्या **औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक भारतीय मानक संस्थान ने किन-किन वस्तुओं के मानक निर्धारित किये हैं और कितने निर्माताओं ने उनका उपयोग किया है ; और

(ख) इस सम्बन्ध में आगामी तीन वर्षों के लिये कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है ?

औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मं० रं० कृष्ण) : (क) भारतीय मानक संस्था ने 30 नवम्बर, 1970 तक वस्तु विशिष्टयों परीक्षण के तरीकों, प्रयोग संहिताओं, शब्दावली आदि सम्बन्धी 6,054 मानक प्रकाशित किये गये हैं जो सेक्शनल लिस्ट्स आफ स्टेन्डर्ड्स 'शीपार्क' नौ छपी सूचियों में दिये गये हैं जिसकी एक प्रति संसद के पुस्तकालय में रख दी गई है। यद्यपि भारतीय मानक स्वेच्छा से तैयार किये गये हैं फिर भी उनका उपयोग केवल उत्पादकों द्वारा ही नहीं अपितु केन्द्रीय और राज्य सरकारों, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और उपयोगिता सेवाओं द्वारा भी किया जा रहा है। नीचे दी गई जानकारी से यह पता चल जायेगा कि उनका किस हद तक उपयोग किया जा रहा है :

(1) वस्तुओं, उपकरणों और भण्डारों के सभी मानकों को केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा अधिकांश उपयोगिता सेवाओं द्वारा अपना लिया गया है।

(2) 478 वस्तुओं के लिए 920 उत्पादकों द्वारा भारतीय मानक संस्था (आई० एस० आई०) चिन्हों के प्रयोग के लिए 2477 लाइसेंस लिये जा चुके हैं। यह चिन्ह वस्तुओं के गुण प्रकार में एक रूपता प्रकट करने वाला प्रचलित भारतीय मानक समझा जाता है।

(3) 1969-70 की अवधि में आई० एस० आई० चिन्ह के अन्तर्गत उगने वाले माल की कुल कीमत 420 करोड़ रुपये थी ;

(4) आई० एस० आई० लाइसेंसों के अलावा उनके उत्पादक भारतीय मानकों के साथ अपने उत्पाद में एकरूपता लाने की इच्छा रखते हैं।

(ख) आई० एस० आई० ने एक विस्तृत चतुर्थ वर्षीय योजना तैयार की है। जिसमें

योजना काल में अपनाये जाने वाले विविध विकास कार्यक्रम बनाये गये हैं इसके अनुसार अगले तीन वर्षों में प्रकाशित किये जाने वाले मानकों का अनुमानित उत्पादन इस प्रकार हैं :

वर्ष	नये मानकों की संख्या
1971-72	840
1972-73	880
1973-74	920

आगामी तीन वर्षों में आई० एस० आई० योजना के (चिन्ह प्रमाणीकरण योजना के) अन्तर्गत मानक संस्था की योजना के अनुसार जारी किये जाने वाले लाइसेंसों की अनुमानित संख्या निम्न प्रकार हो जायगी :

वर्ष	लाइसेंसों की संख्या
1971-72	2,730
1972-73	3,010
1973-74	3,300

Shifting of Industries from Calcutta

4692. SHRI SHASHI BHUSHAN: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE be pleased to state :

(a) the number, names and other details of the industries and big industrial houses who have been adversely affected due to troubles in Calcutta;

(b) the number, names and other details of the industries and big industrial houses in Calcutta which have shifted their offices, plants and factories from there and set up at some other places to the country after selling their industries and properties at cheap rates;

(c) whether Government have also purchased some of these industries and properties and if so, the details thereof; and

(d) the reaction of Government thereto and the measures adopted or proposed to be adopted to ensure that these industries are again established in Calcutta ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (SHRI M. R. KRISHNA): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. L. T.—4578 170]

Production in Rourkela Steel Plant

4693. SHRI SHASHI SHUSHAN: Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that production at the Rourkela Steel Plant in 1970-71 is expected to be below the target;

(b) if so, the main reasons therefor and the measures adopted by Government to ensure targetted production in the Plant; and

(c) the amount of profit made by the plant in 1969-70 and how Government propose to wipe off the balance of the loss of Rs. 32.5 crores and the number of years likely to be taken to wipe off the loss ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes, Sir.

(b) The main reasons for anticipated low production during the year 1970-71 are unsatisfactory industrial relations and technical and operational difficulties.

Action has been taken by the plant authorities to renovate the Pickling Line, re-build the Stripper Yard Crane, overhaul the Soaker Crenes, order an additional Lime Kiln, remove back-log of maintenance, speed up major capital programme required to correct critical imbalances in production facilities, arrange import of certain spares, refractories, locos and other essential raw materials etc.; and improve industrial relations.

(c) The amount of profit made by the plant during 1969-70 was Rs. 7,83 crores but